राष्ट्रीय पिछडा वर्ग वित्त एवं विकास निगम

नई स्वर्णिमा योजना - पुलवामा ,जम्मू एवं कश्मीर

सफलता की कहानी

लाभार्थी का नाम	**आसिफा मकबूल**
जिला एवं राज्य	**पुलवामा ,जम्मू एवं कश्मीर**
योजना का नाम	**नई स्वर्णिमा योजना**
ऋण स्वीकृति का वर्ष	**2017**
ऋण राशि	**रु० 1,00,000/-**
गतिविधि /व्यवसाय	**डेरी प्रोडक्ट'**
राज्य चैनेलाईजिंग एजेंसी का नाम	**जे.एण्ड के. एस.सी.,एस.टी. और बी.सी. डेवलपमेंट कॉरपोरेशन**

सुश्री आसिफा मकबूल जम्मू एवं कश्मीर के गाँव-ज़हूरा, जिला-पुलवामा की रहने वाली है। ये पिछड़ी जाति की हैं।

सुश्री आसिफा बताती हैं कि मेरा ताल्लुक एक गरीब परिवार से था और मेरे अब्बू (पिताजी) की आमदनी इतनी कम थी कि घर का खर्च पूरा हो पाना मुश्किल था। अन्य लड़कियों की भांति मैं भी घर के रोजमर्रा के कामों में लगी रही थी। मुझे कोई ऐसा काम नहीं मिल पा रहा था जिससे कुछ आमदनी हो सके। अतः मैं यह चाहती थी कि कोई छोटा-मोटा व्यवसाय करूं जिससे मेरे परिवार का गुजारा ठीक तरह से हो सके।

सुश्री आसिफा बताती हैं कि मुझे एक दिन अखबार के माध्यम से पता चला कि NBCFDC जम्मू एवं कश्मीर में जे.एण्ड के. एस.सी.एस.टी. और बी.सी. डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के माध्यम से युवाओं को स्व-रोजगार हेतु बहुत कम कागजी कार्यवाही के रियायती ब्याज दरों पर ऋण प्रदान कर रहा है। अतः मैंने राज्य निगम के कार्यालय से संपर्क किया और योजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। एक महिला होने के नाते मुझे ''नई स्वर्णिमा योजना'' बहुत अच्छी लगी जिसमें अन्य योजनाओं की अपेक्षा ब्याज दर भी कम थी; अतः मैंने 'नई स्वर्णिमा योजना'' के अंतर्गत ऋण प्राप्त करने हेतु **''डेरी प्रोडक्ट''** हेतु आवेदन कर दिया। राज्य निगम द्वारा मेरा एक लाख रूपए का ऋण स्वीकृत किया गया तथा नवम्बर, 2017 में यह राशि भी मुझे प्राप्त हो गई। उन्होंने यह भी बताया कि राज्य निगम द्वारा मुझे बहुत ही आसानी से और कम समय में ऋण राशि प्रदान की गई।

सुश्री आसिफा बताती हैं कि मैंने प्राप्त ऋण सहायता से बिना डेरी प्रोडक्ट से संबंधित सामान खरीदा और डेरी उत्पाद तैयार करने लगी। दूध, दही, मावा, छाछ इत्यादि की अच्छी बिक्री होने लगी। वे आगे बताती हैं कि अब मेरा काम बहुत अच्छा चल रहा है और हमारे पास दो वर्कर भी काम कर रहे हैं। अच्छी आमदनी होने से दुकान एवं घर का खर्च अच्छी तरह से पूरा हो रहा है और मैं नियमित रूप से ऋण की किश्तें जमा कर रही हूँ। मेरे परिवार में सभी खुश हैं और मेरे अब्बू-अम्मी एवं घर परिवार के सभी लोग मुझ पर गर्व करते हैं कि मैंने लड़की होकर भी अपना काम अच्छी तरह से संभाल रखा है। इससे समाज में मेरी प्रतिष्ठा काफी बढ़ी है।

NBCFDC एवं राज्य निगम का सुश्री आसिफा धन्यवाद करती हैं और आभार व्यक्त करती हैं कि स्व-रोजगार का अवसर प्रदान कर उन्हें स्वावलंबी बनाने में मेरी मदद की।